तर्ज--आ अब लौट चलें

पिया ना देर करों , भूल हमारी माफ करों
घर को चलो यहां जी ना लगे

1--कैद जो रूहें उनको निकालो
बस ना चले पिया यहां पे किसी का
अपनी रूहो को आप बचा लो

2--सत चित आनन्द सच्चिदानन्द हो
कहनी मे ही पिया तुम दो हो
इश्क भी तुम हो आनन्द तुमारा
ना कोई और है तुम ही तुम हो

3--तुमने जो चाहा वो ही हुआ है
होगा वही जो तुम चाहोगे
इतना तो पिया हमको यकीं है
लाये थे तुम ही तुम्ही ले चलोगे

Nijanand App